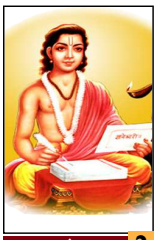

पृष्ठ संख्या 2

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक: राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्ष: 02 | अंक: 5 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, बुधवार 7 जून, 2023 | मूल्य: 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

माली महासंगम में लाखों समाज बंधुओं ने दिखाई ताकत,12 प्रतिशत आरक्षण की रखी मांग

जयपुर (संस्कार सृजन)। राजधानी जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में माली समाज द्वारा माली महासंगम कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा ज्योतिबा फुले की तस्वीर पर माल्यार्पण कर की गई ।

कार्यक्रम में राजस्थान प्रदेश से ही नहीं अपितु दिल्ली, यूपी, एमपी, गुजरात, हरियाणा, पंजाब आदि अन्य राज्यों से भी माली समाज के लोग महासंगम में पधारे । सुबह से ही समाज बंधु बसों और निजी वाहनों से ढोल नगाड़े बजाते हुए, नाचते गाते महासंगम स्थल पर पहुंचे ।

महासंगम में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत, पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी, विधायक शोभारानी कुशवाह, पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी , चौमूं नगर पालिका चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी, शिल्पी सैनी, मोती बाबा सांखला सहित समाज के कई दिग्गज मंच पर मौजूद रहे ।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे और आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत ने समाज बंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के लोगों का जिस तरीके से समर्थन मिल रहा है, निश्चित तौर पर फिर से कांग्रेस की सरकार राजस्थान में रिपीट होने जा रही है ।

वैभव गहलोत के साथ सेल्फी लेने का दिखा क्रेज़ -

संबोधन के बाद वैभव गहलोत सभा में मौजूद समाज बंधुओं से स्वयं जाकर मिले । युवाओं से हाथ मिलाया और हालचाल पूछे । इस दौरान लोगों में वैभव गहलोत के साथ सेल्फी लेने की हौड मच गयी ।कार्यक्रम संयोजक राम सिंह सैनी ने महासंगम

में पधारे सभी समाज बंधुओं का धन्यवाद ज्ञापित किया और विशेष रूप से भामाशाहों का दिल से आभार जताया ।

माली समाज के सिंगर्स ने झूमने पर किया मजबूर-महासंगम के दौरान सिंगर संदीप सैनी और मनीषा सैनी ने हरियाणवी, राजस्थानी, पंजाबी, देशभक्ति गानों पर प्रस्तुतियां देकर समाज बंधुओं की जमकर तालियाँ बटोरी । समाजबन्धु भी गानों पर झूमते नज़र आए ।

अशोक गहलोत समर्थकों ने की नारेबाजी -कार्यक्रम के दौरान अशोक गहलोत के समर्थक लगातार नारेबाजी करते रहे और भारी संख्या में चौथी बार गहलोत सरकार की तख्तियां लेकर मौजूद रहे । सभा में सीएम अशोक गहलोत का सन्देश भी पढकर सुनाया गया ।

इस दौरान गुलाब चंद सैनी इंदौरा, शंकर लाल सैनी शाहपुरा ,एडवोकेट धीरेंद्र सैनी, एडवोकेट मनोज अजमेरा, छुट्टन लाल सैनी, भूपेंद्र सैनी, सीएल सैनी, गोपाल गहलोत, ज्ञानचंद सैनी, रोशन सैनी, अमित सैनी, सागर मावर, रामकिशोर सैनी, महेश सैनी, लालचंद सैनी, रूप सिंह सैनी महुआ , दुर्गा लाल माली, महेंद्र गहलोत जैतारण, बजरंग पंवार, मुन्ना लाल सैनी, राजेश सैनी, श्याम माली भकरी, भगवान सहाय सैनी, पप्पू राजोरिया,राजेंद्र सैनी एमडी,गुड्डू जगदीश सैनी,गजानन्द सैनी, संजय सैनी सहित लाखों की संख्या में समाज बंधु मौजूद रहे । महासंगम की व्यवस्थाओं को लेकर समाजबंधु तारीफ करते नज़र आए । मंच का सञ्चालन एंकर दीपा सैनी और अमित सैनी ने किया ।

माली महासंगम के जरिए रखी 11 सूत्रीय मांगे -

1. महात्मा ज्योतिराव फुले और सावित्री बाई फुले को भारत रत्न से सम्मानित किया जाए।
2. नए संसद भवन में पहले की तरह महात्मा ज्योतिबा फुले की मूर्ति स्थापित की जाए।
3. सावित्री बाई फुले द्वारा महिला शिक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए किए कार्यों को देखते हुए 5 सितंबर शिक्षक दिवस को माता सावित्री बाई फुले के नाम से शिक्षक दिवस मनाया जाए।
4. सैनी, माली, कुशवाहा, शाक्य, मौर्य, मौर्या, सुमन, वनमाली, भोई माली समाज को उनके अति आर्थिक, सामाजिक पिछड़ेपन के आधार पर 12 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए।
5. राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टियां माली समाज को विधानसभा चुनाव में प्रत्येक जिले में कम से कम 1 टिकट और लोकसभा चुनाव में प्रदेश की किसी भी एक लोकसभा सीट पर उम्मीदवार बनाए।
6. महात्मा ज्योतिबा फुले बोर्ड की तरह कुशवाहा समाज लवकुश बोर्ड का गठन किया जाए।
7. देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में महात्मा ज्योतिबा फुले दंपती के नाम से शोधपीठ का गठन किया जाए।
8. जातिगत जनगणना 2011 के आकड़े जारी कर जनसंख्या अनुपात में अति पिछड़ा वर्ग समाज को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए संसाधन उपलब्ध कराए जाए।
9. संत शिरोमणि लिखमीदास महाराज के नाम से उनके जन्म स्थल अमरपुरा नागौर को पेनोरमा और धार्मिक स्थल के रूप में विकसित किया जाए।
10. केन्द्र सरकार की ओर से बनाए गए रोहिणी कमीशन की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए।
11. सामाजिक और राजनीतिक आंदोलनों में दर्ज मुकदमे जो समाज के लोगों पर गैर कानूनी रूप से दर्ज किए गए हैं उन्हें वापस लिया जाए।

बस चालक की बेटी ने जीता गोल्ड मेडल

चौमूं (संस्कार सृजन)। चौमूं तहसील की ग्राम पंचायत मोरीजा निवासी मनीषा जाट ने 16 वीं जीएफआई नेशनल ग्रेपलिंग चैंपियनशिप 2023 में महिला वर्ग में गोल्ड मेडल जीता है। मध्यप्रदेश के देवास में आयोजित हुई 16 वीं जीएफआई नेशनल ग्रेपलिंग चैंपियनशिप 2023 में मनीषा जाट ने महिला वर्ग में 58 किग्रा प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता है। अपनी सफलता का श्रेय कोच और परिवार को दिया है।

मनीषा ने बताया कि मेरा सपना राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए खेलना है,लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति आड़े आ रही है। अगर भामाशाहों का सहयोग मिले तो देश का नाम रोशन करूँगी ।गौरतलब है कि इससे पहले भी मनीषा ने स्टेट लेवल पर विभिन्न खेलों में कई अवार्ड जीते हैं । मनीषा वर्तमान में बीपीएड कर रही हैं । पिता बाबूलाल देवन्दा निजी स्कूल की बस चलाकर परिवार पालते हैं।

मुख्यमंत्री ने फहराया 100 फीट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज, तिरंगा सर्किल का किया लोकार्पण

पाली (संस्कार सृजन)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कल पाली में नगर विकास न्यास की ओर से 13 लाख रूपए की लागत से निर्मित तिरंगा सर्किल तथा 100 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री गहलोत ने पटिट्का का अनावरण कर तिरंगा सर्किल जनता को समर्पित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। मुख्यमंत्री ने वहां उपस्थित आमजन का अभिवादन स्वीकारा। तिरंगा सर्किल एवं 100 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज के अनावरण से एक ओर शहर की सुंदरता में वृद्धि होगी वहीं दूसरी ओर शहरवासियों में देशभक्ति और राष्ट्र सम्मान की भावना का संचार होगा। इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने पाली सर्किट हाउस में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों की जनसुनवाई की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आमजन से आत्मीयता से मिलकर उनकी परिवेदनाएं सुनीं तथा अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के लिए निर्देशित किया। इस अवसर पर पटेल समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सर्किट हाउस पहुंचकर पाली को संभाग बनाने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस दौरान सिरोही विधायक एवं मुख्यमंत्री सलाहकार संयम लोढा, मारवाड़ जंक्शन विधायक खुशवीर सिंह जोजावर, पूर्व सांसद बद्रीराम जाखड़, गांधी दर्शन समिति जिला संयोजक केवलचंद गुलेच्छा, आर्थिक पिछडा वर्ग आयोग सदस्य शिशुपाल सिंह निम्बाड़ा, क्रीडा परिषद उपाध्यक्ष यशपाल सिंह कुम्पावत, जिला कलक्टर नमित मेहता, पुलिस अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंगला, युआईटी सचिव वीरेंद्र सिंह, समाजसेवी महावीर सिंह सुकरलाई सहित बडी संख्या में जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण तथा आमजन मौजूद रहे।

संपादकीय

दुनिया में सबसे तेज बढ़ी हमारी अर्थव्यवस्था

विश्व-बाजार में कच्चे तेल के बढ़ते दाम और उस बाजार की अस्थिरता ने हमेशा से भारतीय अर्थव्यवस्था को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। चाहे वह मुद्रास्फीति के रूप में हो या राजकोषीय और व्यापारिक घाटे के रूप में। ये नकारात्मक पहलू ही आगे चलकर विकास दर, ब्याज दरों और भारतीय मुद्रा की कमजोरी का कारण बनते हैं। लेकिन, भारतीय अर्थव्यवस्था ने रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पहली बार कच्चे तेल के बाजार की उथलपुथल से प्रभावित न होते हुए अपनी रफ्तार न सिर्फ बनाए रखी, बल्कि उसमें नई धार भी ला दी।मॉर्गन स्टेनली रिसर्च ने पिछले सप्ताह एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें भारतीय अर्थव्यवस्था की इस अप्रत्याशित उपलब्धि की ओर ध्यान दिलाया गया है। इसी रिपोर्ट में इस बात का संकेत भी है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अमेरिका की आर्थिक मंदी की चपेट में आ जाने की परिपाटी से भी एक हद तक मुक्ति पा ली है। ये दो अहम बिंदु न सिर्फ भारतीय बाजार की बढ़ती ताकत के संकेतक हैं, बल्कि भारत की कूटनीतिक सक्रियता और उसे भारतीय आर्थिक हितों के अनुरूप दिशा देने के सशक्त प्रयासों को भी रेखांकित करते हैं।पिछले एक दशक में कॉरपोरेट टैक्स में लगभग दस प्रतिशत की कमी आई है और प्रभावी टैक्स की दर के 25% के स्तर पर यह एशिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं से प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम है। आकर्षक टैक्स दरों की वजह से विदेशी निवेश बढ़ाने में मदद मिलती है।इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े हर क्षेत्र में जिस गति से विकास हो रहा है, उसने बाजार को न सिर्फ प्रोत्साहित किया है, बल्कि उसकी उत्पादकता और उसमें लाभ के अवसरों को भी बढ़ाया है। पिछले 9 वर्षों में भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग की लंबाई दोगुनी हुई। इसी अवधि में रेलवे में सात गुना से भी अधिक विद्युतीकरण हुआ है और गैर-परंपरागत ऊर्जा का उत्पादन लगभग चार गुना बढ़ा है। मॉर्गन स्टेनली रिसर्च का अनुमान है कि अगर भारत में इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में इसी गति से विकास होता रहा, तो बहुत जल्द ही रसद लागत, जो अभी जीडीपी के 14-15% तक आती है, घटकर लगभग 8% के आसपास रह जाएगी। यह वही स्तर है, जिसमें कोई अर्थव्यवस्था विकासशील से निकलकर विकसित की श्रेणी में आकर खड़ी हो जाती है।भारतीय बाजार में नगद को डिजिटल लेन-देन बहुत तेजी से पीछे छोड़ रहा है। यह न सिर्फ अर्थव्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ा रहा है, बल्कि उसे गतिशील भी कर रहा है।जीडीपी के सापेक्ष डिजिटल लेन-देन 2015-16 में महज 4.4% थी, जो साल 2022-23 में 76.01% हो गई है। इस बदलाव का एक बहुत बड़ा कारण भारत सरकार की वित्तीय समावेशी नीतियां हैं, जिसने समाज के हर वर्ग और देश के हर कोने को इस बदलाव के लिए मानसिक रूप से और कौशल के साथ तैयार किया।भारतीय अर्थव्यवस्था की पिछले नौ वर्ष की उपलब्धियों का एक और अत्यंत महत्त्वपूर्ण पहलू है- प्रत्यक्ष लाभांतरण (डीबीटी)।चाहे मनरेगा का भुगतान हो, वृद्धावस्था पेंशन हो, किसान-सम्मान-निधि हो या छात्रवृत्ति हो, सबमें लाभ सीधे लाभार्थी के बैंक या पोस्ट ऑफिस के खाते में पहुंचाया गया।पिछले नौ सालों में लगभग 29.4 खरब मूल्य का प्रत्यक्ष लाभांतरण लाभार्थियों के खातों में पहुंचा। 2020-21 में ऐसे लाभार्थियों की संख्या लगभग दस करोड़ तक पहुंच गई थी।बाजार की ज़रूरत के अनुरूप रोजगार के अवसर बनाने और बाजार एवं श्रम के बीच एक कारगर पुल बनाने के लिए ई-श्रम एवं

शुक्र गोचर के प्रभाव से इन 3 राशि वालों को नहीं होगी धन की कमी, बढ़ेगा मान-सम्मान!

प्रत्येक गोचर और ग्रहों की युति एक संयोग या योग बनाती है, जिसका प्रत्येक राशि पर अच्छा या बुरा प्रभाव पड़ सकता है। इसी तरह, शुक्र के कर्क राशि में गोचर ने हाल ही में एक बहुत ही शुभ संयोग बनाया है जिसे लक्ष्मी योग कहा जाता है। इस साल शुक्र ने 30 मई 2023 को शाम 7 बजकर 39 मिनट पर कर्क राशि में गोचर किया है। इस गोचर से मकर राशि में लक्ष्मी योग बना है। यह अत्यंत शुभ योग तीन भाग्यशाली राशियों पर कृपा करेगा। तो आइए जानें कि क्या आपकी राशि भी उनमें से एक है।

मेष राशि- मेष राशि के जातकों को भाग्य का साथ मिलने वाला है क्योंकि लक्ष्मी योग की उपस्थिति चमकते भाग्य का वादा करती है। यह शुभ संयोग उनके लिए जमीन, कार या घर जैसी मूल्यवान संपत्ति हासिल करने के रास्ते खोलता है। इसके अलावा, करियर में उन्नति के आशाजनक संकेत और वेतन में एक निश्चित वृद्धि आगे भी समृद्धि लाती है। इन भौतिक लाभों के साथ-साथ, उनका पारिवारिक जीवन भी समृद्ध होगा, जिससे उनके सुख और संतोष में वृद्धि होगी।

कर्क राशि- कर्क राशि के जातक इस शुभ योग की उपस्थिति के कारण कई सकारात्मक प्रभावों की उम्मीद कर सकते हैं। नतीजतन, वे सहजता से लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेंगे, गहरे संबंध स्थापित करेंगे और सार्थक संबंध बनाएंगे। वित्तीय लाभ के लिए महत्वपूर्ण क्षमता और उनकी आय में पर्याप्त वृद्धि का सुझाव देता है, जिससे एक समृद्ध अवधि सुनिश्चित होती है।

कन्या राशि- कर्क राशि के जातक इस शुभ योग की उपस्थिति के कारण कई सकारात्मक प्रभावों की उम्मीद कर सकते हैं। गहरे संबंध स्थापित करेंगे और सार्थक संबंध बनाएंगे। इसके अलावा यह योग उनके व्यक्तित्व में एक परिवर्तन का वादा करता है। इसके अलावा, इस योग से वित्तीय लाभ के लिए महत्वपूर्ण क्षमता और उनकी आय में पर्याप्त वृद्धि होने का संकेत है।

अमूल्य ज्ञान का बोध

✳ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

✳ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

✳ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

✳ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 17.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

✳ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

✳ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

✳ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

✳ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

✳ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

✳ सोलह श्रृंगार

1.बिंदी, 2. सिंदूर, 3. काजल, 4. मेहन्दी, 5. चूड़ियाँ, 6. मंगल सूत्र, 7. नथ, 8. गजरा, 9. मांग टीका, 10. झुमके, 11. बाजूबंद, 12. कमरबंद, 13. बिछिया, 14. पायल, 15. अंगूठी, 16. स्नान

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर इन चीजों के दान से बरसेगी मां लक्ष्मी की कृपा, जानिए शुभ मुहूर्त

हिंदू शास्त्रों में पूर्णिमा का दिन देवी-देवताओं को समर्पित होता है। ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन व्रत करने व स्नान-दान का विशेष महत्व होता है। इस बार 3 और 4 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा का पर्व मनाया जा रहा है। हिंदू धर्म में पूर्णिमा और अमावस्या का विशेष महत्व माना गया है। बता दें कि हर महीने में दो पक्ष होते हैं। जिनमें एक शुक्ल पक्ष और दूसरा कृष्ण पक्ष होता है। वहीं शुक्ल पक्ष के आखिरी दिन पूर्णिमा तिथि पड़ती है। हिंदू शास्त्रों में पूर्णिमा को काफी शुभ दिन बताया गया है। पूर्णिमा का दिन भगवान विष्णु को समर्पित होता है। ज्येष्ठ माह में पड़ने वाली इस पूर्णिमा को ज्येष्ठ पूर्णिमा कहा जाता है। आज के दिन कई लोग व्रत भी रखते हैं। इस साल ज्येष्ठ पूर्णिमा का पर्व दो दिन यानी की 3 और 4 जून को मनाया जा रहा है। इस दिन स्नान-दान आदि का विशेष महत्व होता है।

शुभ मुहूर्त-बता दें कि 3 जून शनिवार को सुबह 11 बजकर 16 मिनट से ज्येष्ठ पूर्णिमा तिथि शुरू हो गई है। वहीं अगले दिन 4 जून रविवार को ज्येष्ठ पूर्णिमा तिथि सुबह 09 बजकर 11 मिनट तक रहेगी। इस हिसाब से 3 और 4 जून को पूर्णिमा मानी गई। ज्येष्ठ पूर्णिमा के मौके पर कई शुभ योग का निर्माण हो रहा है। सुबह 05:23 बजे से सुबह 06: 16 बजे तक रवि योग रहेगा। इसके बाद शिव योग दोपहर 02: 48 मिनट तक रहेगा। इसके बाद सिद्ध योग शुरू हो जाएगा। चंद्रव्यापनी तिथि जून को है, इसलिए पूर्णिमा का व्रत 3 जून को और स्नान और दान-पुण्य को किया जाएगा।

ऐसे करें पूजा-अगर आप भी ज्येष्ठ पूर्णिमा का व्रत कर रहे हैं तो इस दिन सूर्योदय से पूर्व उठकर स्नान आदि कर लें। इसके बाद सूर्य देव को अर्घ्य दे और व्रत का संकल्प करें। फिर पूरे विधि-विधान से सत्यनारायण भगवान की पूजा करनी चाहिए। इस दिन दही, चावल, सफेद कपड़े, सफेद फूल का दान करने से पुण्य फल की प्राप्ति होती है। वहीं चंद्रमा से जुड़ी चीजों का दान करने से व्यक्ति की कुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है। शाम के समय चंद्रमा के निकलने के बाद चंद्रदेव को दूध, चीनी, चावल और फूल मिलाकर अर्घ्य देना चाहिए। चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण करना चाहिए।

जानिए पूर्णिमा व्रत का महत्व-पूर्णिमा का दिन देवी-देवताओं को समर्पित होता है। इस दिन व्रत, दान व कथा करने से घर में सुख-समृद्धि का वास होता है। वहीं व्यक्ति के जीवन की तमाम समस्याओं का अंत होता है। इस दिन विधि-विधान से चंद्र देव का पूजन करने से कुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है।

सात दशक की सबसे बड़ी जमीनी जंग

यूक्रेन में लगा झटका वास्तविक है। यह 1940 के दशक के बाद का सबसे बड़ा भूमि युद्ध हो गया है, जो 15 महीने से जारी है। पूरी योजना उलट गई है। अमेरिका और नाटो ने इस विश्वास के साथ रूस-यूक्रेन विवाद में हस्तक्षेप शुरू किया था कि यह छद्म युद्ध यूरोप में रूसी प्रभाव को कम करने का एकमात्र तरीका है। इसका मकसद रूस को आकार में छोटा करना और विश्व में बहुध्रुवीय व्यवस्था को समाप्त करना भी था। कागज पर यह शैतानी न सही, पर एक चतुर रणनीति थी। अनुमान था कि नाटो हथियारों से लैस यूक्रेन जल्दी ही रूस पर भारी पड़ेगा। कम से कम पश्चिमी नीति-निर्माताओं ने यह अनुमान तो लगाया ही था कि रूस वर्षों तक एक और अफगानिस्तान में फंसा रहेगा, जबकि अमेरिका एक महाशक्ति के रूप में पुनर्जीवित होकर काबिज हो जाएगा। जो सोचा गया था, उसके उलट हो गया। यह छद्म युद्ध हर मोर्चे पर एक ऐसे संघर्ष में बदल गया।

पहली बार करने जा रहे वैष्णों देवी की यात्रा तो बहुत काम आएंगे ये टिप्स

हर साल भारी संख्या में माता वैष्णों देवी के दर्शन के लिए उनके दरबार में पहुंचते हैं। ऐसे में अगर आप भी पहली बार दर्शन करने जा रहे हैं। तो आपको यात्रा से जुड़ी कुछ जरूरी जानकारी होना आवश्यक है।अगर आप भी पहली बार वैष्णों देवी की यात्रा के लिए जा रहे हैं तो यात्रा से जुड़ी तमाम जानकारियों को हासिल करना जरूरी है। जिससे कि यात्रा में आपको किसी तरह की तकलीफ का सामना न करना पड़े। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको वैष्णों देवी यात्रा से जुड़ी तमाम जरूरी जानकारी देने जा रहे हैं। बता दें कि हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन करने उनके दरबार में पहुंचते हैं। जम्मू-कश्मीर स्थित त्रिकूट पर्वत पर एक गुफा में वैष्णों माता का दरबार है। मां के दरबार में पहुंचने के लिए भक्तों को 13किमी की मुश्किल चढ़ाई करनी पड़ती है।

पैदल और हेलिकॉप्टर- समुद्र तल से 5 हजार 300 फीट की ऊंचाई पर वैष्णो देवी तीर्थ स्थान स्थित है। बेस कैंप कटरा से माता के दरबार तक पहुंचने के लिए करीब 13 किलोमीटर की मुश्किल चढ़ाई करनी पड़ती है। अगर आप सक्षम हैं तो इस चढ़ाई को पैदल ही पूरा कर सकते हैं। वहीं अगर आप पैदल चढ़ाई करने में असमर्थ हैं तो घोड़ा, खच्चर, पिट्ठू या पालकी की सवारी की सुविधा भी मौजूद रहती है। यह आपको कटरा से माता के दरबार तक ले जाते हैं। इसके अलावा कटरा से सांझी छत के बीच हेलिकॉप्टर सर्विस भी ले सकते हैं। बता दें कि सांझी से आपको महज ढाई किमी की चढ़ाई करनी होती है।

यात्रा हो गई है थोड़ी आसान- मुश्किल भरी इस चढ़ाई के बाद भी करीब 1 करोड़ भक्त हर साल माता रानी के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। हालांकि इस यात्रा को पूरा करने में आपको कितना समय लगता है, यह वहां की भीड़, मौसम और आपकी स्पीड पर निर्भर करता है। वहीं पिछले कुछ सालों में वैष्णों देवी की यात्रा में कई सुविधाओं को जोड़ा गया है। जिससे यह यात्रा बहुत हद तक आसान हो गई है। पहाड़ों को काटकर प्लेन रास्ते को बनाया गया है। वहीं चढ़ाई के दौरान पूरे रास्ते में आपको जगह-जगह आराम करने के लिए शेड्स, पानी और भोजन आदि की व्यवस्था की गई है।

कटरा है बेस कैंप-जम्मू का छोटा सा शहर कटरा वैष्णो देवी का बेस कैंप है। यह जम्मू से 50 किमी की दूरी पर स्थित है। वैष्णों धाम की यात्रा से पहले रजिस्ट्रेशन करवाना जरूरी है। क्योंकि तभी आपको मंदिर में दर्शन कर सकते हैं।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

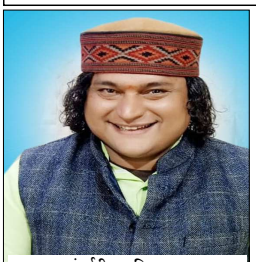

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष राशि - कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। पिता को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं, माता का सहयोग मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से धनार्जन होगा, नौकरी में स्थान परिवर्तन की संभावना बन रही है। परिवार के संग किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है।

वृष राशि - धैर्यशीलता में कमी रहेगी, आत्म संयत रहें, शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकता है। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार विस्तार होगा, लाभ के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। आय में व्यवधान आ सकते हैं, खर्चों में वृद्धि होगी। नौकरी में परिवर्तन की संभावना बन रही है, मित्रों का सहयोग मिलेगा।

मिथुन राशि - आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे, किसी मित्र के सहयोग से संपत्ति में निवेश कर सकते हैं। कला व संगीत में रुचि बढ़ेगी, वस्त्रों पर खर्चा बढ़ेगा। परिश्रम की अधिकता रहेगी, खर्चों में वृद्धि होगी।

कर्क राशि - अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धनलाभ हो सकता है, परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। स्थान परिवर्तन की संभावना बन रही हैं।

सिंह राशि - मन में निराशा व असंतोष के भाव रहेंगे, आत्म विश्वास में कमी रहेगा। पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है। माता का सहयोग मिलेगा, खर्चों में वृद्धि होगी। मीठे खान-पान में रुचि बढ़ेगी, अफसरों मतभेद हो सकते हैं ।

कन्या राशि - कारोबार के विस्तार की योजना साकार होगी, भाइयों का सहयोग मिलेगा लेकिन परिश्रम की अधिकता रहेगी। घर-परिवार में मांगलिक कार्य होंगे, अनियोजित खर्चे बढ़ेंगे। वस्त्रादि उपहार भी मिल सकते हैं। नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला राशि - मन परेशान रहेगा। आत्मसंयत रहें। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता-पिता का साथ मिलेगा। कारोबार से धन की प्राप्ति होगी। धार्मिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। खर्चों में वृद्धि होगी। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। पिता से धनलाभ होगा। कला एवं संगीत में रुचि बढ़ सकती है।

वृश्चिक राशि - आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, परन्तु मन में नकारात्मकता के प्रभाव से बचें। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। अध्ययन में रुचि बढ़ेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

धनु राशि - आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रूचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्चे बढ़ सकते हैं। जीवनसाथी का स्वास्थ्य विकार हो सकता है, चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं। नौकरी में परिवर्तन की संभावना बन रही है । भाइयों के सहयोग से परंतु परिश्रम की अधिकता रहेगी।

मकर राशि - धैर्यशीलता में कमी आएगी, आत्म संयत रहें। वाणी का प्रभाव बढ़ेगा, किसी धार्मिक सत्संगी कार्यक्रम में जाना हो सकता है। रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रूझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव

है।

कुंभ राशि - मन में प्रसन्नता के भाव तो रहेंगे, फिर भी आत्म संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें, माता से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

नौकरी में किसी दूसरे स्थान पर जाना हो सकता है, आय में वृद्धि होगी। रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है । परिवार का भी सहयोग मिलेगा, वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

मीन राशि - आत्मविश्वास में कमी रहेगी लेकिन परिवार का सहयोग मिलेगा। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है। किसी पुराने मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। इच्छा विरुद्ध कार्यक्षेत्र में वृद्धि संभव है।

विप्र कल्याण बोर्ड उपाध्यक्ष मंजू शर्मा बनी विराज फाउंडेशन की महिला प्रकोष्ट संरक्षक

जयपुर (संस्कार सृजन)। विप्र कल्याण बोर्ड उपाध्यक्ष मंजू शर्मा के द्वारा महिला उत्थान व संरक्षण के विभिन्न कार्यों

को देखते हुए विराज फाउंडेशन की आयोजित महिला पदाधिकारियों की बैठक में विप्र कल्याण बोर्ड उपाध्यक्ष मंजू शर्मा के नाम पर अनुशंसा की गई। विराज फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी ने नियुक्ति पत्र जारी करते हुए मंजू शर्मा को विराज फाउंडेशन महिला प्रकोष्ट संरक्षक पद पर नियुक्त किया।

(कविता) पड़ रहा है

मैं खुद का था नहीं पर अब हूँ खुद का
मुझे अक्सर जताना पड़ रहा है
जबसे तेरी गली से हो के आया
खुद को भी रस्ता बताना पड़ रहा

मैं हूँ वही इसमें भी शक है
के खुद को आजमाना पड़ रहा है

तुझे तेरे किए की क्या सजा दूँ
मुझे खुद को सताना पड़ रहा है

मैं बदला तो थोड़ा महँगा हुआ हूँ
तेरे खातिर सस्ता बताना पड़ रहा है

बहें हैं स्वप्न आँखों से अनेकों
अब आँखों को बहाना पड़ रहा है

सिद्धार्थ गोरखपुरी

Gyan Ganga

वीर अंगद की बात सुन कर बगलें क्यों झाँकने लगा था रावण?

जो राजा अपने समक्ष उपस्थित दूत को बैठने के लिए आसन तक नहीं दे सकता, वह क्या नीति समझेगा? मुझसे पूर्व भी श्रीहनुमान जी, तुम्हारे पास दूत बनकर ही आये थे। तब तुमने उनका कैसा सत्कार किया था, यह तो संपूर्ण जगत में प्रसिद्ध है।वीर अंगद का रोम-रोम प्रभु श्रीराम जी के प्रभुत्व से सूर्य की भाँति धधक रहा था। जिसमें रावण की संपूर्ण आभा भस्म होकर शून्य हो रही थी। रावण ने जो यह बात कही, कि वह वीर अंगद की बातों को इसलिए सहन कर रहा है, क्योंकि वह धर्म और नीति का समर्थक है। उसे सुन कर वीर अंगद को मानो हँसी-सी आ गई और उन्होंने रावण पर ऐसा पलटवार किया, कि उसे अगर तनिक-सी भी लज्जा होती, तो वह अपने प्राण त्याग देता। जी हाँ, वीर अंगद रावण को फटकार लगाते हुए बोले-

'कहु कपि धर्मसीलता तोरी।
हमहुँ सुनी कृत पर त्रिय चोरी।।
देखी नयन दूत रखवारी।
बूड़ि न मरहु धर्म ब्रतधारी।।'

वीर अंगद ने कहा, कि वाह रावण वाह! तुम्हारे मुख से धर्म की बात सुन कर मुझे आश्चर्य हो रहा है। कारण कि तुम्हारा धर्म मैं अच्छी प्रकार से समझता हूँ। क्या कोई परस्त्री की चोरी कर भी धर्म का अनुयायी कहलवा सकता है? अगर तुम इतने ही साहसी व धर्म परायण होते, तो तुमने श्रीराम जी से युद्ध करके माता सीता को जीतने का प्रयास क्यों नहीं किया? वैसा तो तुम कर ही नहीं सकते थे। कारण कि साधारण सा सर्प, क्या कभी गरूड़ से लोहा लेने का संकल्प ले सकता है? रही बात, कि तुम नीति के पक्षधर हो। तो यह तो मैंने इस सभा में आकर स्वयं से किए गए सत्कार से समझ ही लिया है। जो राजा अपने समक्ष उपस्थित दूत को बैठने के लिए आसन तक नहीं दे सकता, वह क्या नीति समझेगा? मुझसे पूर्व भी श्रीहनुमान जी, तुम्हारे पास दूत बनकर ही आये थे। तब तुमने उनका कैसा सत्कार किया था, यह तो

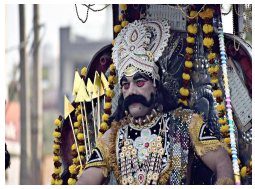

संपूर्ण जगत में प्रसिद्ध है। ऐसे नीति व धर्म के पुरोधा कहलाने वाले हे रावण! मैं तो तुम्हें एक बात कहता हूँ, कि तुम डूबकर मर क्यों नहीं जाते।फिर वीर अंगद ने एक और शब्द बाण छोड़ा। जिसे श्रवण कर रावण बगलें झांकने लगा। वीर अंगद ने कहा, कि हे रावण! तुम्हारे धर्म की एक महान घटना तो मैं भूल ही गया। वह यह, कि तुमने जब अपनी बहन सूर्पनखा के कटे नाक व कान देखे, तो तुमने किस विशेष स्नेह के चलते, अपनी बहन को क्षमा कर दिया। कारण कि सूर्पनखा ने श्रीराम की पत्नी व श्रीलक्ष्मण जी की माता समान, श्रीसीता जी को मारने के प्रयास का अक्षम्य अपराध किया था। जिसका तुम्हें भी सूर्पनखा के लिए कोई उचित दण्ड सोचना ही चाहिए था। लेकिन एक बार भी अपनी बहन को धर्म के मार्ग का अनुसरण करने के लिए नहीं कहा। उसे तनिक भी नहीं लताड़ा, कि हे मेरी दुष्ट बहन, तुम्हें जब दोनों तपस्वियों ने स्वीकारने से मना कर दिया था, तो तुमने बलपूर्वक अपनी बात मनवाने की हठ क्यों की? केवल हठ ही की होती, तो भी बात संभल जाती। लेकिन तुमने तो उन तपस्वियों के साथ उपस्थित उस स्त्री को ही मारने का प्रयास किया। तो ऐसे में तो तुम्हारे केवल नाक-कान ही नहीं, अपितु सीधा गला ही कटना चाहिए था। हे रावण, सच-सच बताना, कि तुमने ऐसा एक भी शब्द अपनी बहन को बोला? नहीं बोला न, कारण कि तुम्हें धर्म से कोई लेना-देना होता, तो तुम अवश्य ही पहले अपनी बहन को नथते।

(कहानी) सोने के कबूतर की चौरी

ठण्ड का मौसम था बाग् हरियाली से दमक रहा था तब ही बादशाह अकबर ने सभापतियों को बाग् में दरबार लगाने का हुक्म दिया ।

हुक्म की तालीम हुई और पूरा दरबार, अकबर और बीरबल बाग् में बैठे । अकबर के आदेश पर बीरबल सभा में न्याय का कार्य देख रहा था । कई लोगों की न्याय याचिका सभा में पढ़ी गई जिनका बीरबल ने अपनी सूझ बुझ से न्याय किया लगभग सारी याचिकायें पढ़ी गई न्याय के इस कार्य में कई घंटे बीत गए ।

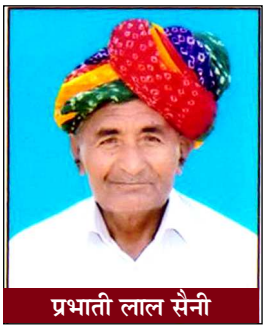

प्रभाती लाल सैनी

थोड़ी देर बाद दरबार में एक व्यापारी आया उसने चौरी की अर्जी लगाई थी ।

उसने कहा - एक बार वो दिल्ली गया था । वहाँ उसने सोने का कबूतर देखा उसके पंख सोने के थे ।

उसने वो कबूतर पूरे 10 सोने के सिक्के देकर खरीदा था दिल्ली से आने के बाद उसने उस कबूतर को अपने घर में पिंजरे में रखा था और रोज सुबह और शाम उसे दाना डालता था । रात्रि को उसको दाना डाला था लेकिन अगले दिन उसने बाहर जाना था इसलिए यह कार्य घर के नौकरों को सौंप दिया । जब वह वापस आया तो कबूतर पिंजरे में नहीं था अब उसे नौकरों पर शक हैं कि उन्होंने मेरे कबूतर को मार दिया पर उसके पास कोई सबूत नहीं हैं।

व्यापारी के शक के आधार पर घर के नौकरों को दरबार में लाया गया । उसने कई सवाल पूछे पर किसी ने कोई उत्तर नहीं दिया । समझना मुश्किल था कि कबूतर को किसने गायब किया ।

तब ही बीरबल उठा और नौकरों के चारो तरफ चक्कर लगाते हुए उसने जोर- जोर से हँसना शुरू कर दिया । अकबर ने हँसने का कारण पूछा, तब बीरबल ने हँसी रोकते हुए बोला - महाराज चौर तो हम सबके सामने ही है। उसने जब कबूतर को पकड़ा तो कबूतर के पंख उसकी पीठ पर कमीज के उपर चिपक गये जिसे वो हटाना भूल गया और दरबार में आ गया ।

बीरबल की बात सुनकर एक नौकर घबराया और उसने अपने हाथो को अपनी पीठ पर फैर कर जानने का प्रयास किया कि क्या उसकी कमीज पर पंख हैं । ऐसा करते उसे बीरबल ने देख लिया और झट से उसे आगे कर चौर के रूप में दरबार में पैश किया। सबने उसकी कमीज देखी जिस पर कोई पंख नहीं था ।

तब बीरबल ने कहा उसने चौर को पकड़ने के लिए झूठ कहा था । उसे पता था जिसने चौरी की है वो जरुर अपनी पीठ की तरफ अपने हाथ बढ़ायेगा और अन्य नौकर सहजता से दरबार में खड़े रहेंगे और वही हुआ । इस तरह बीरबल ने सोने के कबूतर की चौरी का न्याय किया जिसे देख कर फिर से अकबर ने बीरबल की तारीफ की और सभी दरबारियों का चेहरा उतर गया ।

अपनी ओर आकर्षित करता है ऋषिकेश का शांत और सुरम्य वातावरण

ऋषिकेश के लोकप्रिय स्थलों की बात करें तो उसमें सबसे पहले लक्ष्मण झूला का नाम आता है। कहा जाता है कि गंगा नदी को पार करने के लिए लक्ष्मणजी ने इस स्थान पर जूट का झूला बनवाया था। झूले के बीच में पहुँचने पर वह हिलता हुआ प्रतीत होता है। दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए हर वीकेंड का पर्यटन स्थल ऋषिकेश धार्मिक दृष्टि से भी काफी महत्व रखता है। ऋषियों-मुनियों की इस तपोभूमि पर कई मंदिर ऐसे हैं जिनका उल्लेख पौराणिक ग्रंथों में भी मिलता है। ऋषिकेश को गढ़वाल हिमालय का प्रवेश द्वार और विश्व की योगनगरी के रूप में भी जाना जाता है। ऋषिकेश चार धाम तीर्थ स्थानों- बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के अलावा हरसिल, चोपता, औली जैसे हिमालयी पर्यटन स्थलों की यात्रा के लिए प्रारम्भिक बिन्दु भी है। ऋषिकेश का शांत और सुरम्य वातावरण सभी को अपनी ओर आकर्षित करता है। भारत के पवित्र स्थलों में से एक ऋषिकेश में कई साधु-संतों का आश्रम भी है। ऋषिकेश की सुंदरता बढ़ाने के लिए हिमालय की निचली पहाड़ियां और कल-कल बहती गंगा नदी भी अपना योगदान देती हैं। ऋषिकेश को चारधाम यानि केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री का प्रवेशद्वार माना जाता है। यहां सिर्फ भारतीय ही नहीं बल्कि विदेशी लोग भी अध्यात्म और शांति की चाह में आते हैं और मोक्ष के लिए ध्यान लगाते हैं। ऋषिकेश के लोकप्रिय स्थलों की बात करें तो उसमें सबसे पहले लक्ष्मण झूला का नाम आता है। कहा जाता है कि गंगा नदी को पार करने के लिए लक्ष्मणजी ने इस स्थान पर जूट का झूला बनवाया था। झूले के बीच में पहुँचने पर वह हिलता हुआ प्रतीत होता है। 450 फीट लम्बे इस झूले के समीप ही लक्ष्मण और रघुनाथ मन्दिर हैं।

सुनीता मीणा बनी कल्चरल नेशनल अवार्ड 2023 की ब्रांड एंबेसडर

जयपुर (संस्कार सृजन)। बेटी फाउंडेशन क्लब की ओर से आयोजित होने वाले अवॉर्ड शो कल्चरल नेशनल अवार्ड की ब्रांड अंबेसडर सुनीता मीणा को बनाया गया है। संस्था के डायरेक्टर राज शर्मा और राहुल शर्मा ने बताया की सुनीता मीणा ने 2022 में मिसेज इंडिया क्वीन का खिताब जीता। उसके बाद निरंतर समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही है। उनके द्वारा सामाजिक क्षेत्र में दिये गए विशेष योगदान को देखते हुए, बेटी फाउंडेशन क्लब ने सुनीता मीणा को ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया है।

सामाजिक सरोकार को केन्द्र में रख कर हो पत्रकारिता: मुख्यमंत्री

जयपुर (संस्कार सृजन)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के सजग प्रहरी है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में पक्ष का महत्व तभी है जब विपक्ष का अस्तित्व हो। गहलोत दुर्गापुरा स्थित कृषि अनुसंधान केंद्र में लघु एवं मध्यम समाचार पत्र एसोसिएशन द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय पत्रकार सम्मलेन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पत्रकार, साहित्यकार और लेखकों के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। पत्रकार कल्याण कोष और संवाद की स्थापना से अखबार और पत्रकारों के हित सुरक्षित हुए हैं। गहलोत ने कहा कि शासन को पत्रकारों के सुझावों को सकारात्मक रूप से लेना चाहिए। लोकतंत्र में पक्ष और विपक्ष दोनों का महत्व है। बिना विपक्ष के पक्ष का कोई औचित्य नहीं है। गहलोत ने कहा कि वरिष्ठ अधिस्वीकृत पत्रकार सम्मान योजना के अन्तर्गत राज्य सरकार पत्रकारों को प्रति माह 15 हजार रूपए पेंशन दे रही है। साथ ही, कोरोना महामारी से दिवंगत हुए 9 पत्रकारों को राज्य सरकार ने 50-50 लाख रूपए की आर्थिक सहायता दी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अलवर, उदयपुर सहित कई स्थानों पर पत्रकारों को भूखण्ड आवंटित किए हैं। अन्य स्थानों पर पत्रकारों की भूखण्ड आवंटन की मांग पर राज्य सरकार पूरी गंभीरता के साथ विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की अन्य मांगों और सुझावों पर भी समुचित कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं लागू कर रही है। 25 लाख रूपए तक निशुल्क इलाज, स्वास्थ्य का अधिकार कानून, राजकीय कर्मचारियों को ओपीएस और आरजीएचएस योजना का लाभ और पत्रकारों के बीमे की राशि का राज्य सरकार द्वारा वहन करना जैसे कई महत्वपूर्ण निर्णय मानवीय दृष्टिकोण से लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान की आर्थिक विकास दर आज देश में दूसरे स्थान पर है। बेहतर वित्तीय प्रबंधन से राजस्थान 2030 तक देश का अग्रणी राज्य बन जाएगा।

विधायक रफीक खान ने कहा कि राज्य सरकार पत्रकारों सहित सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। लघु एवं मध्यम समाचार पत्र एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलेश गोयल ने कहा कि मुख्यमंत्रीअशोक गहलोत ने छोटे अखबारों के पत्रकारों के हितों का हमेशा ध्यान रखा है। उन्होंने कहा कि लघु एवं मध्यम समाचार पत्र सीमित संसाधनों के बावजूद सामाजिक सरोकारों के साथ कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में एसोसिएशन के उपाध्यक्ष विचार व्यास, जयपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष राधारमण शर्मा, प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य एलसी भारतीय,अविनाश शर्मा,पदम मेहता,राजकुमार गुप्ता,जसविंदर, श्याम सुंदर शर्मा,अब्दुल सत्तार सिलावट,पशुपति कुमार शर्मा,राम गोपाल सैनी,दिनेश तिवाड़ी,अशोक आचार्य,डिम्पल शर्मा सहित वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना के माध्यम से लोक कलाकारों को मिलेगा 100 दिन का रोजगार

जयपुर (संस्कार सृजन)। कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व मंत्री डा. बीडी कल्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना-2023 के माध्यम से प्रतिवर्ष 100 दिन का रोजगार लोक कलाकारों को उपलब्ध करवाकर राज्य सरकार उन्हें सामाजिक सुरक्षा देगी। डा. कल्ला बुधवार को शासन सचिवालय में योजना के सफल क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। डा. कल्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मंशा अनुरूप मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना-2023 के अंतर्गत राजस्थान के स्थानीय या देशज कला के कलाकारों को 100 दिन का रोजगार दिया जाएगा। बजट घोषणा 2023-24 के क्रम में विभाग ने इस योजना का प्रारूप तैयार कर लिया है। उन्होंने बताया कि स्थानीय कलाकारों को 100 दिन का रोजगार सुनिश्चित करने वाला राजस्थान संभवतः देश में पहला प्रदेश है। ये कलाकार गायन, वादन, नृत्य, अभिनय या नाटक करने वाले होंगे जो राज्य सरकार के कार्यक्रमों, उत्सवों में 100 दिन के कला प्रदर्शन की मांग कर सकेंगे। योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए राजस्थान संगीत नाटक अकादमी को नोडल एजेन्सी बनाया गया है। राजस्थान नाटक संगीत अकादमी की अध्यक्षा बिनाका जेश मालू ने बताया कि अकादमी योजना के माध्यम से लोक कलाकारों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि योजना के गांव-ढाणी से कस्बों तक सफल क्रियान्वयन के लिए पूरी तैयारी कर ली गई है। कला एवं संस्कृति विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री ए राठौड़ ने एक प्रस्तुतिकरण के माध्यम से योजना की अद्यतन प्रगति और प्रारूप में लोक कलाकारों द्वारा आवेदन पत्र, प्रक्रिया और भुगतान सहित महत्वपूर्ण जानकारी से मंत्री को अवगत कराया। बैठक में कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व, सूचना एवं प्रोद्योगिकी विभाग सहित विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक शर्मा ने प्याऊ वाली ढाणी में नये बोरिंग का किया शुभारंभ, वार्डवासियों ने जताया आभार

चौमूं (संस्कार सृजन)। शहर में प्याऊ वाली ढाणी वार्ड नंबर 2 चौमूं में विधायक रामलाल शर्मा ने नये बोरिंग का बटन दबाकर चालू किया। प्याऊ वाली ढाणी में कई वर्षों से चली आ रही पेयजल समस्या का समाधान होने पर वार्डवासियों ने विधायक रामलाल शर्मा एवं पार्षद बाबूलाल सैनी का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया एवं मिठाई बटवाई गई।

प्याऊ वाली ढाणी वासीयो के लिए नलकूप होने से पेयजल की समस्या दूर होगी।

इस मौके पर हरिकिशन बाबा, रामअवतार शर्मा, हरिराम शर्मा, मदन, नाथूराम, चेतन पुरी, सूरज यादव, बंशीधर, लक्ष्मीनारायण, लालाराम, सोहन लाल, राम नारायण, अक्षय, सोनू शर्मा, हनुमान, रमेश, ग्यारसी लाल, मालीराम, गोविंद राम, सोनी देवी, पतासी देवी, पूजा एवं अन्य ढाणी वासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पंडित रविंद्र आचार्य की भविष्यवाणी पर एक बार फिर लगी मुहर

जयपुर (संस्कार सृजन)। अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्राचार्य ने सुनील शर्मा के संदर्भ में एक भविष्यवाणी की थी जो सत्य साबित हुई है। शर्मा हाल ही में केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात में जनसंपर्क अधिकारी के पद पर चयनित हुए है। शर्मा के इस पद पर चयन की रविंद्राचार्य ने कुछ समय पहले ही भविष्यवाणी की थी। आज शर्मा ने जयपुर तारा ज्योतिष साधना केंद्र में पहुंचकर पंडित रविंद्राचार्य का सम्मान किया। सम्मान स्वरूप शर्मा ने रविंद्राचार्य को साफा और माला पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान पंडित हरिओम शर्मा, आर वी कम्युनिकेशन बस्सी के गिर्राज पंचोली और मनीष पंचोली भी उपस्थित रहे।

जयपुर दूरबीन हॉस्पिटल के डॉक्टर सुनील तंवर ने कंबोडिया के मरीज की नाक का किया सफल ऑपरेशन

जयपुर (संस्कार सृजन)। जयपुर दूरबीन हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉक्टर सुनील तंवर ने कंबोडिया से आए मरीज के नाक का सफल ऑपरेशन कर जयपुर को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है ।

डॉक्टर सुनील तंवर ने बताया कि कंबोडिया से आए मरीज सरीपोव की चपटे नोज़ के कारण कॉस्मेटिक एवं नेजल ब्लॉकेज की समस्या थी । हमने मरीज के रिब ग्राफ्ट पसली के हिस्से को निकालकर राइनोप्लास्टी सर्जरी के माध्यम से नोज को अपलिफ्ट किया और नाक का चपटापन एवं ब्लॉकेज फ्री नोज बनाया।

गौरतलब है कि डॉक्टर सुनील तंवर द्वारा अमेरिका में फेसियल प्लास्टिक एवं नोज़ सर्जरी के लिए आयोजित इंटरनेशनल बोर्ड सर्टिफिकेशन प्रोग्राम पूर्ण कर अंतरराष्ट्रीय बोर्ड सर्टिफाइड राइनोप्लास्टी नोज़ सर्जन बनने का गौरव हासिल कर देश का नाम रोशन किया है ।

इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना से गृहणी को बड़ी राहत

जयपुर (संस्कार सृजन)। वर्तमान समय में आसमान छूती महंगाई को देखते हुए राज्य सरकार की ओर से प्रदेश के गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों के लिए ऐसी कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जो इन परिवारों को न सिर्फ आर्थिक संबल प्रदान कर रही हैं, बल्कि समाज में बढ़ती अमीर-गरीब के बीच की खाई को पाटने का काम भी कर रही हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की पहल पर समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए चलाई जा रही इन योजनाओं में से एक प्रमुख योजना है, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की ओर से संचालित इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना।

योजना का उद्देश्य -गरीब परिवार के घरों में एलपीजी सिलेंडर से चूल्हा जले और इसका आर्थिक भार भी नहीं रहे।

इस योजना की एक और विशेषता है महिला सशक्तिकरण, जिसके तहत सब्सिडी का हस्तांतरण सीधे महिला मुखिया के बैंक खाते में किया जाता है।

सिलेंडर मात्र 500 रुपए में -इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की संवेदनशीलता और कमजोर तबके के प्रति आत्मीयता का ही परिणाम है, जिससे विशेषकर उन गरीब परिवारों को राहत पहुंचाई जा रही है, जिन्होंने केंद्र सरकार की उज्ज्वला योजना के तहत गैस सिलेंडर तो प्राप्त कर लिया लेकिन इसको रीफिल करवाने का खर्च उठा पाने में सक्षम नहीं हैं। इस योजना के माध्यम से राज्य के बीपीएल और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से जुड़े सभी पात्र परिवारों को गैस सिलेंडर अब मात्र 500 रुपए में मुहैया कराया जा रहा है।

76 लाख परिवार लाभान्वित- वित्तीय वर्ष 2023 में एक अप्रेल से शुरू की गई इस योजना के तहत अब तक लगभग 76 लाख परिवारों को राहत मिली है। अब तक योजना के तहत लगभग 14 लाख लाभार्थियों के जनाधार से जुड़े बैंक खाते में राज्य सरकार की ओर से 60 करोड़ रुपए की राशि हस्तांतरित भी की जा चुकी है। जयपुर में आयोजित लाभार्थी उत्सव में सोमवार 5 जून को स्वयं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बटन दबाकर यह राशि लाभार्थियों के खाते में हस्तांतरित की।

योजना के लिए ये परिवार होंगे पात्र -इस योजना का लाभ राज्य के सभी बीपीएल और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से जुड़े परिवार उठा सकते हैं। इसके लिए उन्हें पहले अपने नजदीकी महंगाई राहत कैंप में जाकर जनाधार कार्ड की सहायता से अपना पंजीकरण करवाना होगा।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूं, जिला-जयपुर से प्रकाशित। EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com